GOVT. D.B. GIRLS' P.G. AUTONOMUS COLLEGE

RAIPUR CHHATTISGARH

DEPARTMENT OF VOCAL MUSIC

SYLLABUS

OF

VOCAL MUSIC

2020-21

B A (PART –I)

SIGNATURE OF CHAIRMAN **SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)**

VOCAL MUSIC PART – I

THEORY PART-A

NO	Title	Max Marks	Min Marks	Total
Paper-I	THEORY OF INDIAN MUSIC	50	17	50
Paper-II	THEORY OF INDIAN MUSIC	50	17	50

PART –B

NO	Name of Practical	Max Marks	Min Marks	Total
Practical	VOCAL MUSIC PRACTICAL	50	17	50

SIGNATURE OF CHAIRMAN SIGNATURE OF MEMBER (SUBJECT)

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – प्रथम वर्ष

प्रथम प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) पारिभाषिक शब्द – निम्नलिखित शब्दों की परिभाषाएं तथा स्पष्टिकरण – नाद, श्रुति, स्वर, सप्तक, पूर्वाग, उत्तरांग, वादि, संवादि, विवादी, अनुवादी, थाट, अलंकार, आलाप, तान, पकड़, राग–जाति।

(2) उत्तर भारतीय प्रबंध–भेद तथा शैलियाँ–ध्रुवपद, धमार, ख्याल, ठुमरी, तराना, टप्पा, होरी, चतुरंग।

(3) **(अ)** संक्षिप्त जीवनी तथा सांगीतिक योगदान –
पं. विष्णु नारायण भारतखण्डे, पं. विष्णु दिगम्बर पलुस्कर।

(ब) गायकों के गुण व दोष – संगीत के शास्त्र ग्रन्थों में वर्णित गुण दोषों का विवेचन।

(4) पाठ्यक्रम के रागों के विवरण – यमन, भूपाली, काफी, खमाज।

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीतशास्त्र

बी.ए. – प्रथम वर्ष

द्वितीय प्रश्न पत्र

पूर्णांक – 50

(1) हिन्दुतानी संगीत और कर्नाटक संगीत पद्धति का संक्षिप्त इतिहास तथा साम्य–भेद एवं विशेषताओं का अध्ययन।

(2) पं. विष्णुनारायण भातखंडे एवं पं. विष्णु दिगम्बर द्वारा प्रणीत स्वरलिपि पद्धति का अध्ययन।

(3) राग समय सिद्धांत– पूर्व राग, उत्तर राग, संधिप्रकाश राग।

(4) ताल की परिभाषा, मात्रा, आवर्तन, बोल, विभाग, खाली, भरी, विलंबित, मध्य एवं द्रूत लय तथा तालों को दुगुन में लिखना।

(5) पाठ्यक्रम में दिये गये राग – बंदिशों को स्वरलिपि में लेखन।

शासकीय दू0 ब0 महिला स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय रायपुर, छत्तीसगढ़

संशोधित पाठ्यक्रम (आनुपातिक रूप से कम करके)

सत्र : 2020–21 हेतु

पाठ्यक्रम

संगीत प्रायोगिक

बी.ए. – प्रथम वर्श

पूर्णांक – 50

(1) निम्नलिखित रागों का अध्ययन :– यमन, भूपाली, काफी, खमाज।

(2) उपर्युक्त किन्ही तीन रागों में मध्यलय (छोटा ख्याल) ख्याल तानों सहित।

(3) उपर्युक्त सभी रागों में सरगम एवं लक्षणगीत।

(4) पाठ्यक्रम के तालों का अध्ययन तथा उसका क्रियात्मक प्रदर्शन– त्रिताल, एकताल, चौताल, झपताल, धमार।

APPORVED BY THE BOARD OF STUDIES ON

NAME	SIGNATURE